B.C.S. GOVT. P.G. COLLEGE, DHAMTARI (C.G.)

5.3.2 *Institution facilitates students' representation and engagement in various administrative, co-curricular and extracurricular activities following duly established processes and norms (student council, students representation on various bodies)*

STUDENT UNION

कक्षा प्रतिनिधि

छात्र संघ बैठक

NCC CADETS

RED CROSS VOLUNTEERS

दिसम्बर 2018 हरिभूमि

ट्रेनिंग कैंप में रेडक्रास टीम उड़ीसा रवाना

योगेश साहू, देवेंद्र कुमार, गोविंद नेताम को कलेक्टर एवं अध्यक्ष इंडियन रेडक्रास डॉ. सीआर प्रसन्ना ने हरी झण्डी दिखाकर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए रवाना किया। इस अवसर पर चेतन हिन्दुजा, नगर पालिका निगम स्वास्थ्य सभापति श्री बंजारे, सत्यप्रकाश प्रधान, लोकेश बाघमार, खेलन जांगड़े, खोमन साहू, होमेश्वर चंद्राकर, किरण साहू, संजु साहू उपस्थित रहे।

बैठक

DEPARTMENT OF COUNCIL MEETING

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 2018-19 में परिषद् का गठन

विभागीय गतिविधियाँ

01.08.2016 को हिन्दी साहित्य परिषद एवं हिन्दी विभाग के सयुक्त तत्वाधान में सर्वप्रथम मुंशी प्रेमचंद जी की 136वीं जयंती मनाई की गई, जिसमें मुख्य अतिथि प्रख्यात कवि एवं साहित्यकार श्री सुरजीत नवदीप जी थे, एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. सरिता दोषी थीं।

24.09.2016 को विभाग के छात्र/छात्राओं द्वारा अपने कनिष्ठों का स्वागत एवं शिक्षक सम्मान समारोह का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा कु. गीता साहू ने किया।

अध्यक्ष	– राजकुमार	एम.ए.	||| सेमेस्टर
उपाध्यक्ष	– रोशन कुमार गजेन्द्र	एम.ए.		सेमेस्टर
सचिव	– कु. गीता	एम.ए.	||| सेमेस्टर
सहसचिव	– कु. डिकेश्वरी	एम.ए.	||| सेमेस्टर
सांस्कृतिक सचिव	– ढालसिंह	एम.ए.		सेमेस्टर

कार्यकारिणी सदस्य – दीपिका, योगिता, लीना, पूजा, ओमकुमार, टेमलाल, ओमशंकर, दामिनी, राजनंदनी, लीलेश्वरी, शारदा, बीना

07.10.2016 हिन्दी साहित्य परिषद का गठन किया गया, जिसमें निम्नलिखित छात्र/छात्राएं उच्चतम अंकों के आधार पर विभिन्न पदों पर मनोनीत हुए।

स्वागत समारोह एव शिक्षक सम्मान दिवस 08 मार्च 2016 को एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र छात्राओं को विदाई दी गई।

10.08.2016 को तुलसीदास जी की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में उनके जीवनवृत्त व रचनाओं पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीदेवी चौबे ने किया।

14.09.2016 को हिन्दी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. शैलचंद्रा थीं, विशिष्ट अतिथि राजभाषा आयोग के

प्रथम स्थान पर दीपा सोनकर, द्वितीय ओंकार और तृतीय स्थान पर सुलभा चंद्राकर रहीं।

32

2016-17 (HINDI DEPARTMENT)

2017-18 (HINDI DEPARTMENT)

विभागीय गतिविधियाँ

दिनांक 14.09.2017 को हिन्दी विभाग द्वारा "मीडिया कल आज कल" विषय पर प्रबुद्ध जनों के विचार आमंत्रित किये गए। इस अवसर पर प्रख्यात लेखिका डॉ. सुभद्रा राठौर, मिडिया छत्तीसगढ़ के ब्यूरो चीफ श्री हेमंत पाणीग्रही, अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मंच संचालक श्री सुरदीप नवदीप जी, प्रसिद्ध व्यंगकार श्री त्रिभुवन पाण्डेय जी, पत्रिका के वरिष्ठ पत्रकार श्री अब्दुल रज्जाक जी, श्री तिलक लांधे जी ने अपने व्याख्यानों द्वारा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इसी अवसर पर प्रेमचंद सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें 2016 का प्रेमचंद सम्मान श्री त्रिभुवन पाण्डेय जी को एवं 2017 का प्रेमचंद सम्मान श्री सुरदीप नवदीप जी को प्रदान किया गया।

स्वागत समारोह एवं शिक्षक सम्मान दिवस 11 सितम्बर 2017 को एम.ए.प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं ने शिक्षक दिवस का आयोजन किया एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं ने प्रथम सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं के लिये सम्मान समारोह का आयोजन किया।

विभाग में 9, 10, 11 व 12 अक्टूबर 2017 को अर्थ परिवर्तन की दिशा, सूफी काव्य की परम्परा, साकेत का महाकाव्यत्व, औचित्य सिद्धांत, चन्द्रगुप्त नाटक का अनुशीलन, पत्रकारिता का अर्थ, कबीरदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व एवं भारतीय साहित्य पर सेमीनार का आयोजन किया गया।

13.09.2017 को हिन्दी साहित्य परिषद् का गठन किया गया, जिसमें निम्नलिखित छात्र/छात्राएं उच्चतम अंकों के आधार पर विभिन्न पदों पर मनोनीत हुए :–

अध्यक्ष	– कु. सोनल मीनपाल-	एम.ए.-III सेमेस्टर
उपाध्यक्ष	– कु. नमिता	एम.ए.-I सेमेस्टर
सचिव	– त्रिभुवन	एम.ए.-III सेमेस्टर
सहसचिव	– विवेक	एम.ए.-I सेमेस्टर

कार्यकारिणी सदस्य – कु. देवभूति, कु. प्रीति साहू, कु. दिव्या, कु. लक्ष्मी, रोशन, हेमकुमार, भूषण, कु. हेमलता, कु. टेमेश्वरी, कु. दामिनी, कु. महेश्वरी

समाचार प्रकाशन

निबंध प्रतियोगिता में भोजकुमारी और रंगोली में रविशंकर कुंभकार रहे अव्वल

प्रतियोगिता

निबंध में भोज और रंगोली में रवि ने मारी बाजी

फास्ट फारवर्ड

निबंध प्रतियोगिता मे भोजकुमारी अव्वल

धमतरी. बीसीएस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी में हिन्दी साहित्य परिषद् के तत्वावधान में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. निबंध प्रतियोगिता में प्रथम भोजकुमारी द्वितीय प्रीति एवं टेमेश्वरी, तृतीय भूषण रहे. रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम रविशंकर कुंभकार, द्वितीय सोनल एवं कु. दिव्या रही. व्यंजन प्रतियोगिता में प्रथम सोनल एवं हेमलता, प्रीति रही. मेंहदी प्रतियोगिता में हेमा प्रथम स्थान व द्वितीय स्थान में टेमेश्वरी रही. केश सज्जा प्रतियोगिता में दिव्या, द्वितीय देवभूमि एवं तृतीय नीलम सिन्हा रही. निर्णायक के रूप में श्रीमती प्रेम कुजूर, श्रीमती जयश्री पंचाग एवं डॉ. तामेश्वरी साहू की सहभागिता थी. सम्पूर्ण कार्यक्रम के दौरान हिन्दी विभाग के डॉ. चंद्रिका साहू, प्रो. विनय देवांगन एवं प्रो. प्रवीण वर्मा उपस्थित थे

2018-19 (HINDI DEPARTMENT)

विभागीय गतिविधियाँ

दिनांक 10.09.2018 को एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र छात्राओं ने शिक्षक दिवस, प्रथम सेमेस्टर के छात्रों हेतु स्वागत समारोह एवं एम.ए. उत्तीर्ण छात्र छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया।

अध्ययन के अलावा शैक्षणेत्तर गतिविधियों के प्रति रूचि उत्पन्न करने एवं विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए हिन्दी साहित्य परिषद् का गठन दिनांक 18.09.2018 को किया गया जिसमें छात्र छात्राओं को उच्चतम अंक के आधार पर विभिन्न पदो पर मनोनीत किया गया।

हिन्दी साहित्य परिषद

अध्यक्ष :	कु. हेमलता
उपाध्यक्ष :	कु. दुलेश्वरी
सचिव :	होमेश्वर
सहसचिव :	पूनमचंद

कार्यकारिणी सदस्य : देवभूति, नमिता, भूषण, विवेक,रूपेन्द्र, वत्सला,ओमेश्वरी, नम्रता,कंचन

दिनांक 02.08.2018 को साहित्य सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती का आयोजन हिन्दी विभाग के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. उमाकांत मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. विजय पंजवानी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. मांझी अनंत को प्रेमचन्द सम्मान 2018 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों के लिए आयोजित भाषण प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान राहुल शर्मा, द्वितीय स्थान हेमकुमार और तृतीय स्थान पूनमचंद साहू ने प्राप्त किया।

2

विभागीय गतिविधियाँ

14 सितम्बर 2015 को हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया जिसमें "हिन्दी की दुर्दशा के लिये जिम्मेदार कौन" विषय पर विचार आमंत्रित किये गये, जिसमें छात्र–छात्राओं एवं प्राध्यापक वर्ग ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

स्वागत समारोह एवं शिक्षक सम्मान दिवस 08 मार्च 2016 को एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र छात्राओं को विदाई दी गई।

27 सितम्बर 2015 को एम.ए. के तृतीय सेमेस्टर के छात्र छात्राओं ने नवप्रवेशित छात्र छात्राओं का स्वागत किया।

बी.सी.एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी में हिन्दी साहित्य परिसर के तत्वाधान में दिनांक 19/09/2014 को एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र छात्राओं ने एम. एम. प्रथम के छात्र छात्राओं का स्वागत समारोह एवं शिक्षक सम्मान दिवस मनाया गया। इसी स्वागत समारोह में छात्रसंघ के चुने प्रतिनिधि अंकुश बरड़िया एवं वर्षा चौधरी का भी सम्मन किया गया। प्राचार्य द्वारा सरस्वती एवं सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यापर्ण किया एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।विभागाध्यक्ष द्वारा छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं दी गईं और छात्रों को नियमित क्लास में आने के लिये प्रेरित किया गया। कार्यकम का संचालन पूर्णिमा मंडावी ने किया। इस अवसर पर एम. ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर हिन्दी के समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

2019-20 (HINDI DEPARTMENT)

दैनिक भास्कर

पर पीजी कॉलेज में प्रश्नोत्तरी स्पर्धा, तुलसी

लक्ष्मी निवास में संगोष्ठी

तुलसीदास की जीवनी पर डाला प्रकाश

पीजी कॉलेज में तुलसी जयंती पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन

नवभारत- 15-09-2019

डॉ. शैल चन्द्रा को मिला प्रेमचंद सम्मान

नवभारत समाचार। धमतरी.

पीजी कॉलेज में हिन्दी दिवस का आयोजन

बीसीएसशासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी में कलेक्टर रजत बंसल के मुख्य आतिथ्य में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध लघुकथाकार डॉ. शैल चन्द्रा एवं हास्य व्यंग्यकार वीरेन्द्र सरल एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चन्द्रशेखर चौबे उपस्थित थे. इस अवसर पर हिन्दी विभाग द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किए जाने वाला प्रेमचंद सम्मान डॉ. शैल चन्द्रा को तथा महाविद्यालय स्तर पर सर्वोत्कृष्ट कार्य हेतु पीबी पराडकर को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधीश रजत बंसल ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिन्दी से मेरा रिश्ता पहले से ही रहा है. हमें अंग्रेजी से दिक्कत नहीं है, बल्कि अंग्रेजीयत से दिक्कत है. जब हमें किसी व्यवस्था पर बिना नुकसान प्रश्नचिन्ह खड़ा करना होता है, तो व्यंग्य से अच्छा कोई माध्यम नहीं है. उन्होंने अपने संस्मरण के माध्यम से मातृभाषा हिन्दी के महत्व को बतलाते हुए कहा कि हमें हिन्दी के प्रति हीन भावना नहीं रखनी चाहिए. अच्छे से अच्छे साहित्यों का निरंतर अध्ययन करते रहना चाहिए. कार्यक्रम में वीरेन्द्र सरल ने अपने हास्य व्यंग्य की कविताओं से उपस्थित श्रोतागणों का मनमोह लिया. डॉ. शैल चन्द्रा ने इस अवसर पर कहा कि भले हम हिन्दी दिवस मनाते जा रहे हैं, किन्तु हमारे कण्ठ में हिन्दी नहीं बल्कि अंग्रेजी पूरी तरह से समा चुकी है. हमें इस मानसिकता में बदलाव लाना होगा तभी हिन्दी को जीवित बनाये रखा जा सकता है. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चन्द्रशेखर चौबे ने हिन्दी के महत्व को रेखांकित करते हुए हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता लाने हेतु प्रेरित किया. हिन्दी दिवस के इस अवसर पर हाहिन्दी को जीवंत बनाये रखने के लिए हमारी भूमिका विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम स्थान राहुल शर्मा, द्वितीय स्थान अमरनाथ एवं तृतीय स्थान कु. सुलभा चन्द्राकर ने प्राप्त किया. मंच का संचालन डॉ. श्रीदेवी चौबे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. चन्द्रिका साहू ने किया. इस अवसर पर डॉ. मनदीप खालसा, डॉ. प्रभा बेरूलकर, डॉ. अनिता राजपुरिया, पीसी चौधरी, खेदूराम भारती, विनय देवांगन, महाविद्यालयीन स्टाफ, एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे.

विदाई समारोह हुआ

धमतरी. सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी कार्यालय में सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी कार्यालय में सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी के पद पर पदस्थ संतलाल देशलहरे के कोंडागांव स्थानांतरण होने पर विदाई समारोह रखा गया, साथ ही यहां पर नए भूमि संरक्षण अधिकारी राकेश कुमार जोशी का स्वागत किया गया. मालूम हो कि संतलाल देशलहरे सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी कार्यालय में दो साल तक पदस्थ रहे. इस अवसर पर उन्होंने अपने अनुभव बांटते हुए कहा कि स्थानांतरण एक सामान्य प्रक्रिया है और इन दो सालों के दौरान सहयोगी स्टाफ से जो सहयोग और अपनापन मिला उसे वे आजीवन नहीं भुला सकेंगे. सुकमा से स्थानांतरित होकर आए नए भूमि संरक्षण अधिकारी राकेश कुमार जोशी ने कहा कि धमतरी एक बहुत बड़ा जिला है. यहां पर सभी साथियों के सहयोग से शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सब मिलकर कार्य करेंगे. इस अवसर पर कृषि विकास अधिकारी बीएल सिन्हा, बीडी शर्मा, आरएन वर्मा, ताराचंद साहू, एस एल नागवंशी, टीआर कुंभज, तोकेश साहू, हितेश गरड़िया, मोहर साय पैकरा, एनेश्वरी, गिरिश यादव, धनेश्वरी यादव, योगेश पैकरा, खेमन साहू, राधा ध्रुव उपस्थित थे.

पीजी कॉलेज में हुई विविध स्पर्धाएं

रंगोली, मेहंदी, निबंध व केश सज्जा में कॉलेज के विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

27.2.19

निबंध में ओमेश्वरी, श्रुतिलेख में भूषण कुमार प्रथम

पीजी कॉलेज के हिन्दी साहित्य परिषद के द्वारा विविध प्रतियोगिताएं

निबंध में ओमेश्वरी, मेहंदी में हेमलता प्रथम

कॉलेज में विविध स्पर्धाओं का आयोजन

अर्थशास्त्र विभाग में हुआ अतिथि व्याख्यान

छत्तीसगढ़ी को संरक्षित व संवारने का दायित्व सबका

छत्तीसगढ़ राज भाषा दिवस पर कॉलेज में व्याख्यान माला

धमतरी(प्रखर)। बीसीएस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी के हिंदी विभाग में 28 नवबंर को छत्तीसगढ़ी राज भाषा दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

व्याख्यान माला में विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीदेवी चौबे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा का विकास हुआ है जिससे हमारे दैनिक जीवन में महत्व बढ़ती जा रही है। राज भाषा बनने के बाद कामकाज में प्रयोग किया जाने लगा है। इसे संरक्षित व संवारने का दायित्व हम सबका है। युवा साहित्यकार महाविद्यालय के प्रो. खेदू भारती ने छत्तीसगढ़ी भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने की भावना व्यक्त करते हुए कहा कि आजकल बोलचाल की भाषा और व्यवहार में महतारी भाखा के बहुप्रयोग होने से बदलाव की बयार चलने लगी है। भाषा ही संस्कृति की पहचान होती है। इसी में किसी भी व्यक्तित्व को जाना जा सकता है। छत्तीसगढ़ी से ही छत्तीसगढ़ की अपनी संस्कृति और परम्पराएं जीवन धारा प्रवाहित होती है। इसकी शान व मान को बनाये रखने के लिए सजगता के साथ काम करना होगा। प्रो. खेदू भारती ने इस अवसर पर अपनी छत्तीसगढ़ी गीत, गज़ल, कवितायें सुना कर सबका मन मोह लिया। डॉ. चन्द्रिका साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ी व्यवहारिक रूप में समृध्दि का प्रतीक है। आज जीवन में अमल पर लाने की आवश्यकता है। डॉ. गायत्री साहू ने भी राजभाषा कार्यान्वयन पर बल देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ी हमारी पहचान है। बोलने में हिचक को दूर करने का संकल्पवान होना है। इस कार्यक्रम में एमए हिंदी व महाविद्यालय के छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे। 30.11.19

डिजीटल मशीन द्वारा फोटोकापी
मात्र 1 रूपये में
थोक फोटो कापी मात्र 80 पैसा
मात्र 2 रू. में प्रिंट आऊट
45 फोटो मात्र 50 रू. में (24 घंटा)
मात्र 10 रू. में कलर प्रिंट
छत्तीसगढ़ स्क्रीन प्वाइंट
बजरंग चौक धमतरी
मो. 98271-52591

विजय
रत्नाबांधा रोड, हटकेश
हमारे
फास्टरिंग

भाषा से झलकता है व्यक्तित्व-चितरंजन कर

कार्यशाला

- हिन्दी में त्रुटियां एवं उनका संशोधन पर कार्यशाला
- पीजी कॉलेज में हुआ कार्यशाला का आयोजन

19-11-19 नवभारत

अतिथि व्याख्यान 28.11.2019

10-12-2019

जनपदीय साहित्य एवं साहित्यकार पर कॉलेज में हुआ व्याख्यान

धमतरी(प्रखर)। बीसीएस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी के हिन्दी विभाग में प्राचार्य डॉ. चन्द्रशेखर चौबे के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीदेवी चौबे के मार्गदर्शन में हिन्दी विभाग में जनपदीय साहित्य एवं साहित्यकार विषय पर व्याख्यान का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें डॉ. अनुसूईया अग्रवाल विभागाध्यक्ष (हिन्दी) महासमुंद कॉलेज मुख्य वक्ता थे।

जनपदीय साहित्य और साहित्यकार विषय पर विस्तार से व्याख्या करते हुए डॉ. अनुसूईया अग्रवाल ने बताया कि साहित्य के दो प्रकार है पहला लोक साहित्य और दूसरा शिष्ट साहित्य। लोक साहित्य जन मानस द्वारा रूढ़ियों से प्रवाह शील है। यह लिखित रूप में नहीं है। जबकि शिष्ट साहित्य लिपिबद्ध रूप में मौजूद है। बिहारी का साहित्य हो या कबीर का या आधुनिक साहित्य। जनपदीय साहित्य के अन्तर्गत छत्तीसगढ़ी भाषा के लोकगाथा जैसे अहिमन रानी, लोरिकचंदा या ढ़ाना जो मौखिक रूप से प्रवाहित है। लोक साहित्य जन जीवन को प्रतिबिंबित करता है। डॉ. अग्रवाल ने जनपदीय साहित्यकारों में डॉ. विनय कुमार पाठक, सत्याभामा आडिल, दानेश्वर शर्मा, हरिठाकुर, मुकुंद कौशल, नारायण लाल परमार आदि को लिया जा सकता है। इनके द्वारा सृजित साहित्य छत्तीसगढ़ी साहित्य के लिए आधार स्तंभ है।

व्याख्यान कार्यक्रम का संचालन डॉ. चन्द्रिका साहू और आभार प्रदर्शन प्रो. क. बी. सत्यार्थी ने किया। इस अवसर पर अतिथि प्राध्यापक डॉ.गायत्री साहू शोधार्थी, कु.कामिनी स्वद, क्षमा शर्मा, थानेश्वर गिरी सहित बड़ी संख्या में हिन्दी के छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस पर हुआ व्याख्यान माला

धमतरी. शासकीय पीजी कॉलेज धमतरी के हिंदी विभाग में छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया. व्याख्यानमाला में सर्व प्रथम विभागाध्यक्ष डा. श्रीमती श्रीदेवी चौबे ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ी भाषा का विकास हुआ है जिससे हमारे दैनिक जीवन में महत्व बढ़ती जा रही है. राजभाषा बनने के बाद काम काज में प्रयोग किया जाने लगा है. इसे संरक्षित व संवारने का दायित्व हम सभी का है. उसके बाद युवा साहित्यकार महाविद्यालय के प्रो. खेदू भारती ने छत्तीसगढ़ी भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने की भावना व्यक्त करते हुए कहा कि आजकल बोलचाल की भाषा और व्यवहार में महतारी भाखा के बहु प्रयोग होने से बदलाव की बयार चलने लगा है. भाषा ही संस्कृति की पहचान होती हैं इसी में किसी भी व्यक्तित्व जाना जा सकता है. छत्तीसगढ़ी से ही छत्तीसगढ़ की अपनी संस्कृति और परम्पराएं जीवन धारा प्रवाहित होती है अ त हमें इसकी शान मान को बनाये रखने के लिए सजगता के साथ काम करना होगा. प्रो-खेदू भारती ने इस अवसर पर अपनी छत्तीसगढ़ी गीत, गजल, कवितायें सुना कर सबका मन मोह लिया. डा. चन्द्रिका साहू ने छत्तीसगढ़ी के व्यवहारिक रूप में समृध्दि की प्रतीक है. आज जीवन में अम्मल पर लाने की आवश्यकता है. डा. गायत्री साहू ने भी राजभाषा कार्यान्वयन पर बल देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ी हमारी पहचान है बोलने में झिझक को दूर करने का संकल्पवान होना है. इस कार्य क्रम में एमए हिंदी व महाविद्यालय के छात्र छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थे. आभार व्यक्त डा गायत्री साहू ने किया.

नवभारत 30-11-19

विभागीय गतिविधियां-2019

हिन्दी विभाग में सेमीनार

धमतरी. बीसीएस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी के हिन्दी विभाग में सेमीनार का आयोजन किया गया. जिसमें एमए हिन्दी के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रस्तुति दी गई. प्रथम दिवस हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति तथा आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियां, द्वितीय दिवस साहित्य के सिद्धांत व आलोचना व कबीर समाज सुधारक के रूप में, तृतीय दिवस कामकाजी हिन्दी एवं पत्रकारिता एवं निराला की काव्यगत विशेषताएं, चतुर्थ दिवस नाटक, एकांकी एवं चरितात्मक कृति व ध्वनि विज्ञान विषय पर छात्र-छात्राओं के अपनी-अपनी प्रस्तुति दी. इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीमती श्रीदेवी चौबे, डॉ. चंद्रिका साहू, प्रो. केबीसत्यार्थी, डॉ. गायत्री साहू सहित प्राध्यापकगण व छात्र उपस्थित थे.

नवभारत 13-11-2019

मंगलवार 12 नवम्बर 2019 | 5

हिन्दी विभाग में चार दिनी सेमीनार आयोजित

धमतरी(प्रखर)। बीसीएस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी के हिन्दी विभाग में चार दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। जिसमें एमए हिन्दी के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर प्रस्तुति दी।

प्रथम दिवस हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति तथा आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियां, द्वितीय दिवस साहित्य के सिद्धांत व आलोचना व कबीर समाज सुधारक के रूप में, तृतीय दिवस कामकाजी हिन्दी एवं पत्रकारिता एवं निराला की काव्यगत विशेषताएं, चतुर्थ दिवस नाटक, एकांकी एवं चरितात्मक कृति व ध्वनि विज्ञान विषय पर छात्र-छात्राओं के अपनी-अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीदेवी चौबे, डॉ. चंद्रिका साहू, प्रो. केबीसत्यार्थी, डॉ. गायत्री साहू सहित प्राध्यापक व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

वर्तमान समय में गाँधी विचार   विवाद प्रतियोगिता में राज्य स्तर   बधाई दी।

5.12.19

हिन्दी विभाग द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताएं

धमतरी(प्रखर)। बीसीएस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी के हिन्दी विभाग में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें एमए हिन्दी के छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे की वंदना व पूजा से हुआ। सर्वप्रथम विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीदेवी चौबे ने कहा कि जीवन में प्रतियोगिता से ही व्यक्तित्व में निखार आता है। छिपे हुए हुनर उभर कर सामने आता है। इससे हम अपनी प्रतिभा के माध्यम से समाज को संवार सकते हैं। इसलिए प्रतियोगिता में भाग लेना चाहिए। हिन्दी विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति विभिन्न प्रतियोगिताएं रखी गई है। जिसमें प्रतिभागी अपने हुनर का शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं।

प्रतिभागी छात्र-छात्राओं द्वारा बहुत ही सुंदर और आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई। आयोजित प्रतिभागिता का परिणाम इस प्रकार रहा- रंगोली में एमए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा नम्रमा प्रथम स्थान प्राप्त किया। दुलेश्वरी दूसरे व प्रतिभा तीसरे स्थान पर रही। मेंहदी में एमए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा लेखिका प्रथम व सीमा द्वितीय, फैंसी ड्रेस में योगिता निर्मलकर प्रथम, दीपिका द्वितीय और ईश्वरी सिन्हा तृतीय , पुष्पसज्जा प्रतियोगिता में मीनू एमए प्रथम सेमेस्टर प्रथम, नमिता व सत्यकला, दुलेश्वरी संयुक्त रूप से द्वितीय और खिलेश्वरी तृतीय सेमेस्टर तृतीय स्थान पर रही। इसी प्रकार केश सज्जा स्पर्धा में नम्रमा साहू प्रथम, मीनू व विद्याभारती दोनों द्वितीय व ललिता सेन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतियोगिता के निर्णायक श्रीमती कुजूर, डॉ. प्रभा वेरूलकर, डॉ. तामेश्वरी साहू और श्रीमती नमिता कर रहीं। संचालन प्रो. केबी सत्यार्थी और आभार व्यक्त डॉ. चंद्रिका साहू ने किया। इस अवसर पर डॉ. गायत्री साहू, पूनम चंद साहू, रूपेन्द्र सिन्हा, लिकेश्वर सेन, गोविंदा साहू, गोविंद कुमार, अंगेश्वरी साहू, आरती सहित बड़ी संख्या में हिन्दी के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

प्रतियोगिता से ही व्यक्तित्व में आता है निखार: चौबे

धमतरी. शासकीय कॉलेज के हिन्दी विभाग मे विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित किया गया. विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीदेवी चौबे ने जीवन में प्रतियोगिता से ही व्यक्तित्व में निखार आता है, छिपे हुए हुनर उभर कर सामने आता है. इससे हम अपनी प्रतिभा के माध्यम से समाज को संवार सकते है. अतः प्रतियोगिता में भाग लेना चाहिए. आज हिन्दी विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की भांति विभिन्न प्रतियोगिताएँ रखी गई है. रंगोली में एमए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कु. नम्रमा प्रथम स्थान प्राप्त किया तो वही कु. दुलेश्वरी दूसरे व कु. प्रतिभा तीसरे स्थान पर रहे. मेहदी में एमए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कु. लेखिका प्रथम व कु. सीमा द्वितीय, फैंसी ड्रेस में कु. योगिता निर्मलकर प्रथम, कु. दीपिका द्वितीय और कु. ईश्वरी सिन्हा तृतीय, पुष्पसज्जा प्रतियोगिता में कु. मीनू एमए प्रथम सेमेस्टर प्रथम, नमिता व सत्यकला दुलेश्वरी संयुक्त रूप से द्वितीय और कु. खिलेश्वरी तृतीय सेमेस्टर तृतीय स्थान पर रहे. इसी प्रकार केश सज्जा स्पर्धा में कु. नम्रमा साहू प्रथम, मीनू व विद्याभारती दोनों द्वितीय व कु. ललिता सेन तृतीय स्थान प्राप्त किया. सभी प्रतियोगिता का निर्णायक श्रीमती कुजूर, डॉ. प्रभा वेरूलकर, डॉ. तामेश्वरी साहू और श्रीमती नमिता कर रहे. कार्यक्रम का संचालन प्रो. केबी सत्यार्थी और आभार व्यक्त डॉ. चंद्रिका साहू ने किया. इस अवसर पर डॉ. गायत्री साहू, पूनम चंद साहू, रूपेन्द्र सिन्हा, लिकेश्वर सेन, गोविंदा साहू, गोविंद कुमार, अंगेश्वरी साहू, आरती सहित बड़ी संख्या में हिन्दी के छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे.

नवभारत 4.12.2019